

## नोटबंदी पर सर्वोच्च न्यायालय का नरिणय

### प्रलिमिंस के लयि:

सर्वोच्च न्यायालय, संवधिान पीठ, RBI, RBI अधनियिड की धारा 26(2) ।

### डेनूंस के लयि:

नोटबंदी पर सर्वोच्च न्यायालय का नरिणय ।

## चरूा डें क्यूँ?

हल ही डें [सर्वोच्च न्यायालय](#) ने डूँच न्यायाधीशूँ की संवधिान पीठ दूवारा 4-1 के बहुडत से 500 रुपए और 1,000 रुपए के करंसी नोटूँ की नोटबंदी पर फैसला सुनाया ।

### 'NOT RELEVANT WHETHER OBJECTIVES ACHIEVED OR NOT'

#### MAJORITY VERDICT OF JUSTICES SA NAZEER, BR GAVAI, AS BOPANNA & V RAMASUBRAMANIAN

- Majority verdict says demonetisation had a "reasonable nexus with its objectives" such as eradicating black money and terror funding and it is not relevant whether those objectives were achieved or not
- Says government was in consultation with RBI for six months and it is empowered to take such a decision
- No fresh window to exchange notes, 52 days' time given earlier not unreasonable



“ There has to be great restraint in matters of economic policy. Court cannot supplant the wisdom of executive with its wisdom...

#### MINORITY VERDICT OF JUSTICE BV NAGARATHNA

- Demonetisation move 'exercise of power' by Union government, **contrary to law and vitiated** under the RBI Act

- Carried out in 24 hours, so central bank had no time to consider it
- **Parliament**, which is "at the centre of our democracy, **cannot be left aloof** in a matter of such importance"
- Around 98% of value of banned currency reported to

have been exchanged, so **measure may not have been as effective as it was hoped to be**

“ This (use of phrases such as 'as desired' by the Centre in communication to RBI governor) demonstrates that there was no independent application of mind by the Bank

## आधकारकि नरिणय:

### ■ बहुडत:

- बहुडत के अनुसार, केंद्र की 8 नवंबर, 2016 की अधसूचना वैध है और आनुपातकितता की कसौटी पर खरी उतरती है ।
- भारतीय रज़िर्व बैंक अधनियिड, 1934 की धारा 26 (2) के तहत जारी 8 नवंबर की अधसूचना से छह महीने पहले RBI और केंद्र ने एक-दूसरे के साथ इस संबंध डें परामरूश किया था ।
- RBI अधनियिड की धारा 26 (2) के तहत वैधानकि प्रकूरया का उल्लंघन केवल इसलयि नहीं किया गया क्यूँककिेंद्र ने केंद्रीय बोर्ड

को वमिद्रीकरण की सफ़िरशि करने पर वचिर करने हेतु 'सलरह' देने की पहल की थी ।

- इस प्रररवधरन के तहत सरकर को बैंक नोटों की "सभी शृखलरओं" को वमिद्रीकृत करने का अधक़र दररर गरर।
  - जलदबररज़ी में लररि गए फ़ैसले पर नुडरररलर ने कहर कइस तरह के कदम नरररववरद रूड से अतुंत गोडनीडतर और तेज़ी से लररि जरते हैं । डदइस तरह के कदम की खडर लीक हो जरती है, तो डह कलडनर करनर डुशकलर है कइसके डररणरड कतरने वनरशकररी हो सकते हैं ।
  - जरली डुदरर, करले धन और आतंक के वतुतडडडण को खतड करनर के "उकतर उददेशुडों" के लररि वमिद्रीकरण कररर गरर।
- अलडडत नररणड:
- सरकर आरबीआई अधनरडड की धररर 26 (2) के तहत एक अधसूकनर तडी डररी कर सकती थी डब आरबीआई ने सफ़ररश के डरधुड से नोटडंडी कर डुरसुतवर दररर होत।
  - इसलररि आरबीआई अधनरडड की धररर 26(2) के तहत डररी सरकर की अधसूकनर गैरकनूनी थी ।
  - डनर डरडलों में सरकर नोटडंडी की पहल करती है, उनमें आरबीआई की ररर लेनी करररर। डरर्ड की ररर "सुवतंतुर और सुडडुट" होने करररर।
  - डदडरर्ड की ररर नकरररतडक थी, तो केंदुर केवल एक अधुडरदेश की घडणर करके डर एक संसदीड कनून डनरकर भी वमिद्रीकरण की ररह डर आगे डद सकत।
  - संसद को "लघु ररषुटुर" के रूड में वरणतर कररर जरत। "संसद की अनुडसुथतररररर में, लोकतंतुर की सुथरडनर और सडलतर अनशुकतर है" ।

## आनुडरतकतर कर डररीकषण:

- आडतौर डर सुवैधरनक़ अदरलतें, उन डरडलों को तड करनर के लररि है जहर दो डर दो से अधक़र वैध अधक़र टकररते हैं, आनुडरतकतर कर डररीकषण दुनरर डर की अदरलतों दुररर उडडडड की डरने वरली एक सडरनुड रूड से नरररडड कनूनी डदधतरर है ।
- डब इस तरह के डरडलों कर फ़ैसलर कररर जरत। है, तो आडतौर डर एक डुरकर के नुडरर डर डूसरे नुडरर को डुरडरवी घडडतर कररर जरत। है और नुडररलरर इस डुरकर वडरनरन डुरकर के नुडररों के डधुड सुंतुलन सुथरडतर कररर है ।
- आनुडरतकतर कर सदुधरंत डह आदेश देत। है कवररंउतर डरणरड डुरररुत करनर के लररि डुरशरसनक़ उडरर आडशुडकतर से अधक़र कठर नहीं होने करररर।

## नोटडंडी/वमिद्रीकरण:

- डरररररर:
  - 8 नवंबर, 2016 को सरकर ने घडणर की कउकड डूलुड वरुर के 500 रुडए एवं 1000 रुडए के नोट लीगल टेंडर (वैदुड डुदरर) नहीं रहेंगे अरुथरतु सीडतर अवधरर में सीडतर सेवरओं के सरथ इनकी वैधतर सडररुत हो डररणी ।
  - डह वैध डुदरर डर फ़ररट डनी के रूड में अडनी सुथतरर की एक डुदरर इकरई को कलन से डरहर करनर कर कररुड है ।
  - डह कररुड तड कररर जरत। है डब ररषुटुरीड डुदरर में डररररतन होत। है और डुदरर के वरुतडरन रूड डर रूडों को कलन से डरहर कर दररर जरत। है, जसुड अकसर नए नोटों डर सकुडों से डुरतसुथरडतर कररर जरत। है ।
- वमिद्रीकरण कर उददेशुड:
  - अवैध लेन-देन के लररि उकड डूलुडवरुर के नोटों के उडडडड को हतुतसरररर करनर और इस डुरकर करले धन के वुडरडक उडडडड डर अंकुश लगनर ।
  - वरणडुडरररर लेन-देन के लररि डुडुडरररररर को डुरुतसरररर करनर, अरुथवुडवसुथर को औडक़ररक़ डनरनर और सरकररी कर ररडसुव को डदररर देनर ।
    - अरुथवुडवसुथर के औडक़ररकरण कर अरुथ है, कडनरररर को सरकर की नरररडक वुडवसुथर के अंतुरगत लरनर तथर वनरररडरण एवं आडकर से सुडंधतर कनूननों के अधीन करनर ।
- औडरेशन क़लीन डनी:
  - इसे आडकर वडरण (CBDT) दुररर 9 नवंबर से 30 दसुडंबर, 2016 की अवधरर के दुरररन कररर गए डड़े नकद डडर के ई-सतुडरडन के लररि लौनुक कररर गरर।
  - डह कररुडकुरड 31 डनवररी, 2017 को शुरु कररर गरर। और डई 2017 में इसने दुररर करण में डुरवेश कररर।
  - इसकर उददेशुड नोटडंडी की अवधरर के दुरररन करदरररओं के नकद लेन-देन की सुथतररर (डुरतडुधतरर नोटों की वनरडडड/डकत) को सतुडरडतर करनर और डद लेन-देन कर की सुथतररर से डेल नहीं खरते हैं तो कर डुरवरुतन कररुररई करनर है ।
- नोटडंडी कर डुरडरर:
  - 4 नवंबर, 2016 को डनतर के डरस डुरकलन डुदरर 17.97 लरख कररुड रुडए थी और नोटडंडी के डरद डनवररी 2017 में घटकर 7.8 लरख कररुड रुडए रह गई ।
  - इसके कररण डरंग गरर गई, उदुडडों को संकट कर सडरनर करनर डडर और सकल घररलू उतुडरर (Gross Domestic Product-GDP) की वुदुधरधीडी हो गई, जसुडके डरणरडसुवरुड कई कुरे वुडवसरर और दुकरन डंड हो गए, सरथ ही नकदी/तरलतर की सडसुडर भी उतुडुन हो गई ।
  - तरलतर की कडी डर संकट तड उतुडुन होत। है डब वतुतुडीड संसुथरन और औदुडुडररक़ कडनरररर के लररि अडनी सडसे डररुरी आडशुडकतरररर डर अडनी सडसे डूलुडवरन डरणररुडनरओं को डुरर करनर के लररि आडशुडक नकदी की कडी हो जरती है ।

## आगे की ररह

- नोटडंडी करले धन और सडरनरंतर अरुथवुडवसुथर (अवैध अरुथवुडवसुथर, जैसे डनी लौनुडरुरर, तसुकररी आदी) के खतरर कर सरहसडुरवक

- मुकाबला करने के लिये त्वरति कदम था, जिसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में सरकार की नीतियों के माध्यम से प्रदर्शति होता है ।
- सरकार के इस कदम ने विश्व स्तर पर भारत को अधिक महत्त्व प्रदान कथिा क्योकि इसमें एक ऐसे मुद्दे से नपिटने में साहस दखियाया गया जसि इस पीढी के वकिस की सफलता की राह में सबसे बड़ी समस्या माना जा सकता है ।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/supreme-court-s-verdict-on-demonetisation>

